details were not furnished by the company, the income-tax officer on his own added the figures and proposed to add Rs. 94,95,000 in that year. These are now matters which will be examined.

चौधरी बलवीर सिंह : कितना समय आप लेंगे ?

SHRI H. M. PATEL: I am afraid I cannot tell you.

MR. SPEAKER: He has no information. There is no use putting questions. He will say, "We will enquire into it".

फाइव स्टार होटल के जनरल मैनेजर के रूप में एक रिसेप्शनिस्ट की पदोन्नति :

*84. **श्री शिव नारायण सरसूनिया :**
श्री अरविंद बाला मजनौर :

क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एक रिसेप्शनिस्ट की सरकारी क्षेत्र के फाइव स्टार होटलों के प्रभावी जनरल मैनेजर के पद पर पदोन्नति हुई जैसा 30 अप्रैल, 1977 के 'हिन्दुस्तान टाइम्स' में समाचार छपा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इतनी ऊंची पदोन्नति ऐसी वरिष्ठ नियुक्तियों संबंधी नियमों तथा विनियमों के अनुसार है ; और

(ग) यदि नहीं तो अनियमितताओं के बारे में यदि कोई हों, क्या कार्यवाही की गई है अथवा करने का विचार है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) भारत पर्यटन विकास निगम के वर्तमान महाप्रबन्धक (होटल्स) ने लगभग 20 वर्ष की आयु में सितम्बर, 1947 में सम्पदा निदेशालय के अन्तर्गत भारत सरकार होस्टल, दिल्ली में एक स्वागती (रिसेप्शनिस्ट) के रूप में सेवा आरम्भ की थी ।

(ख) सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

(ग) फिलहाल कोई कार्रवाई करने का प्रश्न ही नहीं उठता । अपेक्षित सूचना एकत्रित कर ली जाने पर ही इस प्रश्न पर विचार किया जाएगा ।

श्री शिव नारायण सरसूनिया : मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं वह रिसेप्शनिस्ट एक महिला हैं जो दिल्ली के एक डी०आई० जी० की पत्नी हैं और कांग्रेस वालेज श्री संजय गांधी की गुड बुक्स में थीं, क्या इसी कारण इनको इतनी बड़ी जिम्मेदारी की प्रमोशन मिली ?

क्या इसी कारण यह सब लोग इस होटल में इकटठे होते थे और वहां बैठकर जितने दूसरे राजनीतिक लोग थे, उनकी बरबादी की योजना बनाते थे ?

इस इमर्जेन्सी के दौरान वहां पर कितने कार्यक्रम नसबन्दी के बारे में और वी० आई० पीज० के बारे में हुए और उन पर कितना रुपया खर्च हुआ ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : इस होटल के सम्बध में कुछ पदोन्नतियों, नियुक्तियों और अन्य मामलों के बारे में शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनके बारे में सी०बी०आई० द्वारा जांच की जा रही है । मैं समझता हूं कि इस जांच के दौरान सब वास्तविकता का पता लग जायेगा और उसके बाद जो आवश्यक कार्यवाही होगी वह निश्चित रूप से की जायगी ।

श्री शिव नारायण सरसूनिया : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया ।

मैं जानना चाहता हूं कि कितना रुपया खर्च हुआ ?

MR. SPEAKER: Can you give some figures?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : अभी कोई जानकारी नहीं है ।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : अभी कोई जानकारी नहीं है।

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: The ITDC is notorious for being an institution where very big scale corruption is taking place. So, I would like the hon. Minister to enlighten this House as to what happened to the CBI enquiry against the former General Manager of the ITDC.

SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK: I require notice for that.

श्री गौरी शंकर राय : मान्यवर, जब इसकी जांच खुफिया से हो रही है, तो सम्भव है मंत्री जी को प्राइमाफेसी कुछ मालूम हुआ होगा। क्या सरकार समझती है कि प्रमोशन अनुचित हुई होगी या नहीं हुई होगी ? अगर सरकार इस प्रमोशन को अनुचित समझती तो फिलहाल इन्क्वायरी के दौरान उस व्यक्ति का क्या स्टेट्स है ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : सी० बी० आई० को जो मामला दिया गया है, उसमें निवेदन किया गया है कि वह प्राथमिक रिपोर्ट दे, लेकिन अभी यह प्राथमिक रिपोर्ट मिली नहीं है। उसके बाद बता सकेंगे कि कौन जिम्मेदार है और कैसे है।

श्री रामधारी शास्त्री : प्रश्न के भाग 'ख' में यह है कि क्या इतनी ऊंची पदोन्नति ऐसी वरिष्ठ नियुक्तियों सम्बन्धी नियमों तथा विनियमों के अनुसार है? इसके जवाब में मंत्री महोदय ने कहा है कि सूचना एकत्रित की जा रही है। मैं जानना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में क्या सूचना एकत्रित की जा रही है, क्या नियम वगैरा नहीं बने हुए हैं ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : कुछ फाइलें सी० बी० आई० ने जांच के लिए अपने पास रख ली हैं। ऐसी शिकायतें मिली थी कि जांच की जायें। अतः संबंधित फाइलें सी० बी० आई० के पास हैं, इसलिए इस सम्बन्ध में इन्फार्मेशन कलैक्ट नहीं कर पाये हैं। जैसे ही सी० बी० आई० की रिपोर्ट मिलेगी, बहुत शीघ्र ही जानकारी सदन पटल पर रख देंगे।

श्री रामधारी शास्त्री : प्रश्न का भाग (ख) इस प्रकार है : "यदि हां, तो क्या इतनी ऊंची पदोन्नति ऐसी वरिष्ठ नियुक्तियों संबंधी नियमों तथा विनियमों के अनुसार है।" यह तो रूल्ज का प्रश्न है। नियम तो होंगे। प्रश्नकर्ता का प्रश्न है कि ऐसा क्यों हुआ है।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहां तक नियमों का तवाल है, मैं देख लूंगा और निश्चित रूप से आवश्यक कार्यवाही करूंगा।

MR. SPEAKER: He is asking: was the promotion made according to the rules?

SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK: That has to be seen. I am collecting that information also.

MR. SPEAKER: That was the main question.

SHRI RAM DHARI SHASTRI: The rules are not to be collected. The rules must be there.

श्री उपसेन : मंत्री महोदय यह मानते है कि उस व्यक्ति की पदोन्नति जेनेरल मैनेजर के पद पर की गई। मैं यह जानना चाहता हूं कि वह किस ग्रेड में रिसेप्सनिस्ट नियुक्त हुआ और किस ग्रेड में जेनेरल मैनेजर बना।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : 1947 में वह रिसेप्सनिस्ट के पद पर 600 रुपए मासिक तनख्वाह पर था। उस के बाद क्रमशः उसकी पदोन्नति मिली। आज उस को 2500, 3000 रुपये वेतन मिलता है

श्री रामनरेश कुशवाहा : हमें लगता है कि केवल विषय को टालने के लिए जांच की बात कहीं जा रही है। स्पष्ट प्रश्न यह है कि क्या नियुक्ति नियमानुसार हुई है या नहीं। नियमों के बारे में जांच करने की क्या आवश्यकता है ? इस बारे में मंत्री महोदय स्वयं देखकर बता सकते है।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : नियम तो है, लेकिन तथ्यों की जांच करना आवश्यक है कि क्या दरअसल नियम के अनुसार पदोन्नति हुई है या नहीं। इसलिए इस बारे में सी० बी० आई० के द्वारा जांच करा रहे है।

National Textile Plan

+

*86. DR. LAXMINARAYAN PANDEYA:

SHRI S. D. SONASUNDARAM:

Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION be pleased to state:

(a) whether Government propose to have a long term policy in respect of textile industry so as to establish coordination between the organised mills and the powerloom and handloom sectors; and

(b) whether a large number of sick mills have been taken over by Government while there are still a number of sick mills which need to be taken over?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a) Yes, Sir.

(b) 103 mills have been nationalised so far. In addition, the management of two more mills has been entrusted to the N.T.C. The N.T.C. is thus already over-burdened with the onerous responsibility of managing 105 sick cotton textile mills. The Central Government does not favour takeover of more sick or closed textile mills for management by the National Textile Corporation. However, if any concerned State Government is prepared to take over sick unit or units under its management, the Central Government would like to render all possible cooperation whenever such proposals are found viable.

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : मंत्री महोदय ने मेरे प्रश्न का उत्तर तो पूरा नहीं दिया हैं लेकिन फिर भी मैं जानना चाहूंगा कि क्या यह बात सही है कि पावरलूम और हैंडलूम सेक्टर में जितना कपड़ा उत्पादित होता है वह देश में उत्पादित होने वाले सारे कपड़े का एक चौथाई भाग से अधिक है और उसमें लगभग 30 लाख से 50 लाख से ऊपर लोग काम करते हैं लेकिन ये दोनों सेक्टर असंगठित हैं और इस कारण मिलों का कपड़ा तो बाजार में आता है और बिकता है लेकिन इनका उत्पादन बिकता नहीं है ? कभी इनके सामने पावर का संकट होता है तो कभी सूत का संकट होता है। तो आप जो पालिसी निर्धारित करने की बात कह रहे हैं क्या कोई निश्चित अवधि बता सकते हैं कि कब तक यह पालिसी तय हो जायगी ? अन्यथा ये दो उद्योग बहुत ही संकट में हैं। अगर एक निश्चित अवधि के अन्दर नीति निर्धारित नहीं की जाएगी तो इनका संकट बढ़ेगा और वस्त्रोत्पादन भी घटेगा जो कि दिन पर दिन घट भी रहा है।

SHRI MOHAN DHARIA: The hon. Member has raised certain important issues. I share the concern of the hon. Member. The production from these decentralised sectors—handloom and powerloom—is not only 25 per cent but nearly 50 per cent of our total production of more than 8000 million metres in the country. It is true that the whole of our textile industry is passing through a crisis and what is needed today is a coordinated and